Important Questions Class 8 Hindi Chapter 10 अकबरी लोटा

प्रश्न-1 'अकबरी लोटा' पाठ के लेखक कौन हैं?

उत्तर – 'अकबरी लोटा' पाठ के लेखक अन्नपूर्णानंद वर्मा जी हैं।

प्रश्न-2 अंग्रेज़ व्यक्ति ने लोटा कितने में खरीदा?

उत्तर – अंग्रेज़ व्यक्ति ने लोटा पाँच सौ रूपए में खरीदा।

प्रश्न-3 न्यूटन कौन थे?

उत्तर – न्यूटन इंग्लैंड के एक वैज्ञानिक थे जिन्होंने गुरुत्वाकर्षण का नियम और गति के सिद्धांत की खोज की थी।

प्रश्न-4 जब अंग्रेज़ व्यक्ति पर लोटा गिरा तब वह कहाँ था?

उत्तर – जब अंग्रेज़ व्यक्ति पर लोटा गिरा तब वह एक दुकान से पीतल की कुछ पुरानी मूर्तियाँ खरीद रहा था।

प्रश्न-5 गली में ज़ोर का हल्ला क्यों हो रहा था?

उत्तर – गली में ज़ोर का हल्ला इसलिए हो रहा था क्योंकि लाला जी के हाथ से जल का भरा हुआ लोटा छूट कर नीचे किसी व्यक्ति के पैर पर गिर गया था।

प्रश्न-6 अगर बिलवासी जी लाला जी की मदद नहीं करते तब क्या होता?

उत्तर – अगर बिलवासी जी लाला जी की मदद नहीं करते तब भी किसी न किसी तरह लाला जी रुपयों का इंतज़ाम जरूर करते क्योंकि यह उनकी प्रतिष्ठा का सवाल था।

प्रश्न-7 बिलवासी जी ने अपनी पत्नी के गले से सिकड़ी क्यों निकाली?

उत्तर – बिलवासी जी ने अपनी पत्नी के गले से सिकड़ी इसलिए निकाली क्योंकि उसमें लगी ताली से वह संदूक खोलना चाहते थे ताकि ढाई सौ रूपये वापस रख सकें।

प्रश्न-8 यदि बिलवासी की योज़ना अंग्रेज़ को पता चल जाती तो क्या होता?

उत्तर – यदि बिलवासी की योज़ना अंग्रेज़ को पता चल जाती तो लाला जी की पत्नी के लिए रुपयों का प्रबंध नहीं हो पाता और अंग्रेज़ उन दोनों को धोखा देने के आरोप में जेल भी भिजवा सकता था।

प्रश्न-9 बिलवासी जी ने जिस तरीके से रुपयों का प्रबंध किया, वह सही था या गलत?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर – बिलवासी जी ने जिस तरीके से रुपयों का प्रबंध किया, वह गलत था। "बिलवासी" जी ने अपने मित्र "लाला झाऊलाल" की सहायता करने के लिए अपनी पत्नी के संदूक से रूपए चुराए थे और एक अंग्रेज़ से झूठ बोलकर रूपयों का प्रंबध किया था।

प्रश्न-10 क्या होता यदि अंग्रेज़ पुलिस को बुला लेता?

उत्तर – यदि अंग्रेज़ पुलिस को बुला लेता तो यह एक पुलिस केस बन जाता और लाला जी पर कार्यवाही हो सकती थी। यही नहीं, इसके लिए उन्हें जुर्माना भी भरना पड़ सकता था। दोनों ही परिस्थितियों में लाला झाऊलाल अपनी पत्नी को दिया हुआ वचन निभाने में असमर्थ होते।

प्रश्न 11 – पं. बिलवासी मिश्र कहाँ आते दिखाई पड़े? उन्होंने आते ही क्या किया? उन्होंने अंग्रेज के साथ किस प्रकार सहानुभूति प्रकट की?

उत्तर – पं. बिलवासी मिश्र भीड़ को चीरते हुए आँगन में आते दिखाई पड़े। उन्होंने आते ही पहला काम यह किया कि उस अंग्रेज को छोड़ कर बाकी जितने लोग थे सबको बाहर कर रास्ता दिखाया और फिर आगँन में कुर्सी रखकर उन्होंने उस अंग्रेज से कहा कि उसके पैर में शायद कुछ चोट आ गई है। इसलिए वह आराम से कुर्सी पर बैठ जाइए। जब पं. बिलवासी ने अंग्रेज को बैठने को कहा तो अंग्रेज बिलवासी जी को धन्यवाद देते हुए बैठ गया। लाला झाऊलाल की ओर इशारा करके अंग्रेज ने बिलवासी जी से पूछा कि क्या वे लाला को जानते हैं? बिलवासी बिलकुल मुकर गए और कहते हैं कि वे लाला को बिलकुल नहीं जानते और न ही वह ऐसे आदमी को जानना चाहते हैं जो राह चलते व्यक्तियों को लोटे से चोट पहुँचाए।

https://www.evidyarthi.in/